internet:arunjaity.qxd 9/26/2010 9:38 PM Page 211

नानाजी के प्रशंसक सिर्फ चित्रकूट के आसपास के गांवों या भारतवर्ष में ही नहीं थे, दुनियाभर में फैले हुए थे। वे सभी उनके निधन से दुखी थे। वे उनके बारे में और अधिक जानना चाहते थे। ऐसे में इंटरनेट ने उनकी मदद की। यों भी नानाजी परंपरावादी होते हुए भी आधुनिक साधनों के अधिकाधिक परंतु न्यायोचित प्रयोग के पक्षधर थे। लिहाजा, इंटरनेट पर उन्हें स्थान मिलना स्वाभाविक ही था .....

नानाजी @ इंटरनेट